

-ता -कृ, पर्याप्ति कृ, निवाह कृ, लक्ष्, उपकृष्.—(Supply) उपस्था in caus. (-स्थापयति -पितु), उपकृष् (c. 10. -कल्पयति -पितु), परिकृष्.—(Be in the place of) स्थाने or स्थले or भूमि वृह or भू or उपकृतः -का -कृ भू or प्रभूतः -का -कृ भू.—(Use, manage) प्रभृत्, उपकृत्, विधा.—(Treat) आचर, विधा.—(Serve out, distribute) पृथक् पृथक् विधा or दा or परिकृष्.—(Serve up, place on the table) परिवृत् (c. 10. -वेश्यति -पितु), परिवृष् (c. 10. -वेष्यति -पितु), परिवृण् कृ, परिवृशन् कृ, ज्ञानि परिवृश् or परिकृष् or कृष् or उपस्था in caus. or उपहृ; 'one who serves up,' परिवृक्; उपवृक् m. (कृ).

To SERVE, v. n. (In servitude) सेवा कृ, दास्य कृ, दास (nom. दासायति), सेवक भू, दासी भू.—(Perform duties) कर्म कृ or विधा, कार्यं कृ or ज्ञाना, निवोगिकर्म कृ.—(Be of use, be sufficient for) उपकृतः -का -भू, उपवृतः -ता -ते or पर्याप्तः -ता -भू.—(Accomplish the end) कर्म सम्पृष्ट् in caus. or साध् in caus.

SERVED, p. p. (Attended upon, obeyed, worshipped) सेवितः -ता -ते, उपवृतः -ता -ते, शुश्रूषापः &c., उपवृतिः &c., वरिवृतिः &c., वरिवृशिः &c., ज्ञानाधितः &c.—(Assisted) उपकृतः -ता -ते.—(Supplied) उपकृतः -ता -ते.—(Served up, prepared, presented, as food, &c.) परिवृतिः -ता -ते, परिवृशिः &c., वृत्यिः &c., परिवृत्यिः &c., वृद्धिः &c.

SERVICE, s. (Attendance upon, waiting upon) सेवा -वने, उपसेवा, निवेदने, मुश्शुदा, उपसने -ना, उपचार, उपचारकरण, उपचारकर्मी n. (न), उपचरणी, परिचरणी, परिचरणा, विचरणा, ज्ञानगमन, उपस्थाने.

—(State of service) दास्य, दासने, सेवा, सेवकदास, प्रेष्वर्त, प्रवृत्त, कैकृत्यः; 'he lives in our service,' ज्ञानेवयन जीवति.—(Waiting at table) परिवृण्, परिवृशन्.—(Objection or subjection to) ज्ञानादेवने, ज्ञानानुवृत्तिः f., ज्ञानाकरण, ज्ञानुवृत्तिः f., ज्ञानुपृष्ठने, वृत्ताता, मुश्शुदा -पर्या, ज्ञानोदयः, भक्तिः f., भजन, उपसने -ना, उपासा, ज्ञापादन -ना; 'the service of princes,' मृश्शस्यायः; 'diligent in service,' मुश्शुपापृष्टः -रा -रे.—(Benefit, advantage) उपकार, उपकृति, उपकृतिः f., सुकृति, हित, जर्म, उपयोगः.—(Use) उपयोगः, निवृत्य, प्रयोगः, प्रयोगने, अवहारः.—(Employment, business) आपाद, कार्यं, मन्त्रं n. (न), अवसाय, वृत्तिः f., प्रवृत्तिः f., अवहार, निवेदः; 'out of service,' निवृत्यापाद -रा -रे, निवृत्यिः -तः; 'military service,' सेवकम् n. (न), सेविकावृत्तिः f.—(Worship) पूजा, पूजोपचार, उपचार, उपचरणी, भक्तिः f.; 'public worship,' ज्ञापादायुजा; 'course of rites,' ज्ञानान्तरा, see RITE; 'conductor of a service,' ज्ञानान्तरा m.—(Set of dishes served up at once) यात्रि भोजनपादाणि मुखपद, परिवृण्णो, भोजनपादमृहः, भोजनपादवगः, भोजनपादवना.

SERVICEABLE, a. (Useful) उपयोगी -गीति -पि (न), उपयुक्तः -का -कृ, उपकारकः -का -कृ, उपकारा &c., उपकारकर्ता -रिया &c., सोपकारः -रा -रे, प्रयोगी &c., प्रयोगतः -न्या -र्या, प्रयोगः &c., अवहारः -यो -र्यो.—(Fit for duty) कार्यधारः -मा -मं, कर्मधारः &c., कर्मीपृष्ठः -का -कृ, ज्ञानकृमीयः -णा -र्णो

SERVICEABLENESS, s. उपयोगिता, उपयुक्ता, उपयोगः, सोपकारा -त्वं.

SERVICEABLY, adv. उपयुक्तः, उपयोगेन, सोपयोगे, सोपकारे.

SERVICE, a. (Pertaining to servants or slaves) दाससच्चन्ति -न्यनी -न्यि (न), दाससच्चन्ति &c., दासेयः -यो -ये, दासेतः -री -रे, सेवकः

-का -कृ, सेवासच्चन्ति &c., शौद्धः -द्री -दृ, उधमभृतवः -का -कृ, नैदेविकः; -बौ -कृ, दास्य in comp.; 'servile-work,' दास्यकम्बे n.—(Cringing) ज्ञातिसान्वकारी &c., ज्ञातिलाली &c., ज्ञातिलालनकारी &c., ज्ञानुकृतः -ला -लू, ज्ञानुकृष्टी &c., ज्ञानुकृष्टेन.

SERVILITY, adv. ज्ञातिलालनपूर्वः, ज्ञानुकृतः, ज्ञानुकृष्टी &c.

SERVILITY, SERVILITÉ, s. (Mean obsequiousness) ज्ञातिलालने - ज्ञानुकृतलता, ज्ञानुकृत्यांत, ज्ञातिसान्वकार, ज्ञातिसान्वनन, ज्ञातिचाकार, ज्ञानुटीर्ती, ज्ञान्दीनुरोधो, ज्ञान्दीनुरोधः f.—(Slavery), see SERVITUDE.

SERVITOR, s. सेवकः, see SERVANT.

SERVITUDE, s. दास्यं, दासने, सेवा, सेवकदासा, सेवकभावः, दासभावः, दासयोगः; भूवर्त, प्रेष्वर्त, प्रेष्वर्त, कैकृत्यं, परामीनता, ज्ञानान्तरा, अवृत्ताता, परामीता, अवृत्तिः f.

SESAME, SESAMUM, s. (The plant or seed) तिळः साराळः, सुवन्धः, दलाडकः, पूषापानं हीनेपानः; 'its blossom,' वृक्षपूर्वः; 'barren sesamum bearing no blossom, &c.', तिलिषेजः, तिलेषः; 'sown with sesamum, as a field, &c.', तिलः -स्या -स्यं, तेलीनः -नी -ने; 'oil of sesamum,' तिलैर्तीलः, तिलैर्तीलः, तिलैर्तीलः; 'ground sesamum,' तिलूषीं, तिलूषीं, तिलैर्तीलः; 'sediment after the oil is expressed,' तिलैर्तीलः; 'burnt offering of sesamum,' तिलौषीं; 'sesamum made up in the shape of a cow,' तिलैर्तीलः f.; 'sesamum seeds with water,' तिलोदकः; 'with milk and rice,' तिलैर्तीलः; 'made of sesamum,' तिलैर्तीलः -या -यो -ये.

SESHA, s. (King of the serpents), see SNAKE.

SESSION, s. (Sitting) उपवेशः -श्वर्णे.—(Of a court or assembly) सभा.—(Time or term during which an assembly sits or transacts business) सभा, सभाकालः, सभाकार्यकालः, कार्यनिषेधकालः.

To SET, v. a. (Place, put, lay) आ (c. 3. द्वापाति, भासुं), निपा, ज्ञापा, स्था in caus. (स्थापयति -पितु), व्यस (c. 4. -व्यस्यति -सितु), व्यृ in caus. (व्यैषयति -पितु), रुह in caus. (रोपयति -पितु), ज्ञाह, निपिशः (c. 10. -निपयति -पितु), धृ (c. 1. परिति, धृत्य), दा, कृ; 'one's foot,' पादं न्यस or चृ in caus., पादार्पणं कृ.—(Fix) स्था in caus., प्रतिष्ठा, ज्ञापा, रुहृ (c. 10. -कल्पयति -पितु), परिकृष्.—(Fit, adjust, adapt) युक् (c. 10. योपयति -पितु), ज्ञापुक्, समापा, योग्यं -यो कृ.—(Regulate) विधा, संविधा.—(Plant) रुहृ in caus., निरुहृ, रोपणं कृ, निरुहृ.—(Fix jewels, &c., in metal) प्रशिष्या, निधा, लच, युक्; 'is set,' प्रशिष्यीति.—(Inlay), see the word.—(Worth, weight) तिल (c. 10. तेष्यपाति -पितु), तिलो, निलि, रुहृ, तोद्यपातीकृ, तोद्यायोकृ.—(Set a limb) तुटितास्य सन्ध्या or संयुक्तः.—(Set about), see To BEGIN.—(Set against), see To OPPOSE.—(Set apart) पृष्ठकृ, उक्त, विस्तिषुक्.—(Set aside) विनिपात, see To REJECT, ANNUL, OMIT.—(Set before) उपस्था in caus., उपहृ, चाहा, 'as food,' भूत् in caus., परिवृष् in caus., परिवृशिः in caus.—(Set by), see To ESTEEM, REGARD, VALUE.—(Set down, lay down) व्यस, उपव्यस, निधा, भूती न्यस or शा—(Set down in writing), see To REGISTER, COMMIT TO WRITING.—(Set down), see To DEGRADE, REBUKE.—(Set fire) चरिते दा, see To KINDELE.—(Set forth) चरिता, see To PUBLISH, SHOW, DISPLAY, DESCRIBE.—(Set forward) पुरुषः, see To